

## भागवत कथा का शुभारंभ

# विधायक डॉ. कृष्ण पूनिया ने किया हाँस्पीटल का शिलान्यास



महस्थारा आई हाँस्पीटल एवं रिसर्च सेंटर का शिलान्यास विधायक डॉ. कृष्ण पूनिया ने किया।

महस्थारा की आपार प्रकट करते हुए बहावत कथा का संभास है। यह मानवों की जिज्ञासा भवित्व के भाव से जोड़ती है। जब तक मानवों की कृपा जीव पर नहीं होती है, तब तक भागवत कथा नहीं हो सकती। अनेकोंने जर्मों का जब पूर्य उदय होता है तो कथा की आयोजन होता है। भागवत कथा असत् याने से संपूर्ण पांचों का नाश होता है इसको सुनने से मन के विकार दूर होकर मानव को सम्मान पाने के प्रेरणा मिलती है। कथा के दौरान मां भगवती का वर्णन करिया दिखाया गई कथा शुरू होने से यजमान सुखी कुमार गौड़ ने सप्तनीक व्यास भगवतजी की पूजा की।

## नवरात्रि में उमड़ रहा श्रद्धा का सैलाब

### दुर्गा माता मंदिर में नी दिवसीय धार्मिक आयोजन शुरू

हुआ। जिसमें 15 पांडितों के साथ मुख्य

यजमान बनवारी लाल टाटिया, राजेश

तुनार, निवेद कुमार नारायणी, विवाह

उनार, अनिल कंडेल, संपत नारायणी,

औप्रकाश यश मौरुण, विक्रम नारायणी,

अमित नारायणी, कलीचरन सहित 18

जीड़ों ने कांथ साथ रामायण में आयोजित है।

इस दौरान मंदिर प्रांगण में ग्रामीण

को मंदिर के बाहर खड़े होकर आरती

में भाग लेना पड़ा। आरती के पश्चात सभी

प्रदालुओं को प्रसाद वितरण

किया गया।

महाआरती के बाद मंदिर पुजारी

मनोज दावीच ने बैठ धाम के

पीठार्थीश्वर संत रत्नानाथ महाराज के

भजनों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियाँ

दी। मंगलवार की दोपहर शाम और रात

आयोजित हैं।

— में 15 पांडितों के वैदिक मंत्रोच्चार के

साथ नूरुगिय शत चण्डी महायज्ञ शुरू

### अग्रसेन जयंती महोत्सव का समापन

देवर्थ, रामपल महला, ओमप्रकाश

सोनी, विश्वा अग्रवाल, डॉ. संजय

सुवेदार, राजगढ़ नगर अध्यक्ष पवन

कुमार कुलदिया, ओमप्रकाश जागिर्ड,

संनी, ताराचन्द्र बवीता द्विता, सिद्धमुख

तहसीलदार बवीता द्विता, सिद्धमुख

संजय महला, जयवर्मी महला, मोहन

मारुपाल किरोडीवाल आदि गाँव के

सिंह रणवा, मानसिंह चाहा, एवं उसके

साथीयों द्वारा जानलेवा हमला किया

गया। घटना के समय महाविद्यालय

में परीक्षा चल रही थी, जिसमें

विश्वविद्यालय के छात्रकर्मी ने बैठक

वासुदेव बता द्वारा महाविद्यालय

परिसर में शिक्षक साधियों के धमकी

द्वारा जानलेवा हमले पर गहरी चिंता

व्यक्त करते हुए अविलम्ब कानूनी

प्रतिनिधि ठेकेदार राजेन्द्र खुड़िया, पूर्व

सरपंच रामकुमार सिहाग, तामा खेड़ा

को धमकी प्रतिवेदन समिति के

द्वारा जानलेवा हमले पर पहुंच आयोजित हुआ।

जिसके चलते पुरुषों व युवकों

को मंदिर के बाहर खड़े होकर आरती

में भाग लेना पड़ा। आरती के पश्चात सभी

प्रदालुओं को प्रसाद वितरण

किया गया।

महाआरती के बाद मंदिर पुजारी

मनोज दावीच ने बैठ धाम के

पीठार्थीश्वर संत रत्नानाथ महाराज के

भजनों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियाँ

दी। मंगलवार की दोपहर शाम और रात

आयोजित हैं।

— में 15 पांडितों के वैदिक मंत्रोच्चार के

साथ नूरुगिय शत चण्डी महायज्ञ शुरू

हुआ। जिसमें 15 पांडितों के साथ मुख्य

यजमान बनवारी लाल टाटिया, राजेश

तुनार, निवेद कुमार नारायणी, विवाह

उनार, अनिल कंडेल, संपत नारायणी,

औप्रकाश यश मौरुण, विक्रम नारायणी,

अमित नारायणी, कलीचरन सहित 18

जीड़ों ने कांथ साथ रामायण में आयोजित है।

इस दौरान मंदिर प्रांगण में ग्रामीण

को मंदिर के बाहर खड़े होकर आरती

में भाग लेना पड़ा। आरती के पश्चात सभी

प्रदालुओं को प्रसाद वितरण

किया गया।

महाआरती के बाद मंदिर पुजारी

मनोज दावीच ने बैठ धाम के

पीठार्थीश्वर संत रत्नानाथ महाराज के

भजनों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियाँ

दी। मंगलवार की दोपहर शाम और रात

आयोजित हैं।

— में 15 पांडितों के वैदिक मंत्रोच्चार के

साथ नूरुगिय शत चण्डी महायज्ञ शुरू

हुआ। जिसमें 15 पांडितों के साथ मुख्य

यजमान बनवारी लाल टाटिया, राजेश

तुनार, निवेद कुमार नारायणी, विवाह

उनार, अनिल कंडेल, संपत नारायणी,

औप्रकाश यश मौरुण, विक्रम नारायणी,

अमित नारायणी, कलीचरन सहित 18

जीड़ों ने कांथ साथ रामायण में आयोजित है।

इस दौरान मंदिर प्रांगण में ग्रामीण

को मंदिर के बाहर खड़े होकर आरती

में भाग लेना पड़ा। आरती के पश्चात सभी

प्रदालुओं को प्रसाद वितरण

किया गया।

महाआरती के बाद मंदिर पुजारी

मनोज दावीच ने बैठ धाम के

पीठार्थीश्वर संत रत्नानाथ महाराज के

भजनों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियाँ

दी। मंगलवार की दोपहर शाम और रात

आयोजित हैं।

— में 15 पांडितों के वैदिक मंत्रोच्चार के

साथ नूरुगिय शत चण्डी महायज्ञ शुरू

हुआ। जिसमें 15 पांडितों के साथ मुख्य

यजमान बनवारी लाल टाटिया, राजेश

तुनार, निवेद कुमार नारायणी, विवाह

उनार, अनिल कंडेल, संपत नारायणी,

औप्रकाश यश मौरुण, विक्रम नारायणी,

अमित नारायणी, कलीचरन सहित 18

जीड़ों ने कांथ साथ रामायण में आयोजित है।

इस दौरान मंदिर प्रांगण में ग्रामीण

को मंदिर के बाहर खड़े होकर आरती

में भाग लेना पड़ा। आरती के पश्चात सभी